

न्यायालय सहायक क्लर्क एवं उपखण्ड अधिकारी, टिब्बी
पीठासीन अधिकारी-मीनू वर्मा आर.ए.एस.
दावा बाबत आर०टी०ए० 88
प्रकरण संख्या-2019/2019

1. आशीष पुत्र संजय कुमार जाति बिश्नोई निवासी 6 केएसपी तहसील टिब्बी जिला
हनुमानगढ़।
वादी

बनाम्

1. तहसीलदार राजस्व टिब्बी।

प्रतिवादी

उपस्थिति-श्री सुभाष चन्द्र गर्ग अधिवक्ता वादी
पैरोकार राज

निर्णय

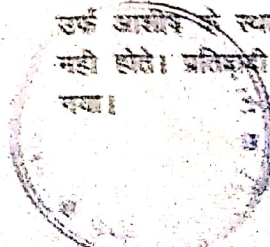
दिनांक :- 3-9-19

वादी ने प्रतिवादी के विरुद्ध यह दावा घोषणा के तहत इस न्यायालय में पेश किया कि वादी के नाम से चकनं० 6 केएसपी के खाता सं० 47 में वादी का नाम दिश्वजीत उर्फ आशीष का कुल 253 है० में से 1/48 हिस्सा व इसी चक के खाता सं० 59 में 6325 है० में से दिश्वजीत उर्फ आशीष का 1/3 हिस्सा तथा इसी चक के खाता सं० 62 में 1265 है० में से 158 हिस्सा तथा चकनं० 7 केएसपी के खाता सं० 11 में कुल 3036 है० में से 95/2277 हिस्सा व चकनं० 1 एचएम्.एच के खाता सं० 59 में कुल 3542 है० में दिश्वजीत का 1/24 हिस्सा दर्ज राजस्व रिकार्ड है।

वादी का नाम राजस्व रिकार्ड में दिश्वजीत उर्फ आशीष दर्ज है जबकि वादी के पहचान-पत्र, आधार कार्ड, पैनकार्ड, अंकतालिका, राशनकार्ड में आशीष दर्ज है। वादी को बैंक से ऋण लेने व पानी की पट्टी बनाने में परेशानी रहती है। इसलिए वादी राजस्व रिकार्ड में आधार कार्ड, पैनकार्ड व अन्य दस्तावेजों के आधार पर चकनं० 6 केएसपी के खाता सं० 47,59 व खाता सं० 62 तथा चकनं० 7 केएसपी के खाता 11 में दिश्वजीत उर्फ आशीष के स्थान पर पर आशीष तथा चकनं० 1 एच.एम्.एच के खाता सं० 59 में दिश्वजीत के स्थान पर आशीष नाम की दुरुस्ती करवाना चाहता है। नाम सही होने से स्टेट में कोई हित प्रभावित नहीं होते। नाम दुरुस्त करवाने से खातेदारी हक हकूक पर व राज्य हित पर कोई विपरीत प्रभाव नहीं पड़ेगा।

वादी ने प्रतिवादी को वादपत्र की दफा 2 में दर्ज में वादी का नाम दुरुस्त करने का निवेदन किया तो प्रतिवादी कतई इन्कार हो गये। बस यही बिनाय दावा है।

उक्त तथ्यों के आधार पर वादपत्र पेश होने पर सीमेदार की रिपोर्ट के बाद दावा दर्ज रजिस्ट्रार किया गया। प्रतिवादी को जरिये सम्मन तलब किया गया। प्रतिवादी स्टेट द्वारा अपना जबाबदाय पेश किया गया जिसमें स्टेट द्वारा कोई आपत्ति नहीं की गई। स्टेट द्वारा अंकित किया गया है कि वादी का नाम दिश्वजीत उर्फ आशीष के स्थान आशीष नाम अंकित किया जाता है तो राज्यहित प्रभावित नहीं होते। प्रतिवादी स्टेट की ओर से प्रस्तुत जबाबदाय सामिल पत्रावली किया गया।



उपखण्ड अधिकारी एवं
पैरोकार राजस्व टिब्बी

वकील वादी ने वाद पत्र के तथ्यों को दोहराते हुए कथन किया कि राजस्व रिकार्ड में दर्ज वादी की भूमि में वादी का नाम विश्वजीत उर्फ आशीष दर्ज है जबकि वादी का सही नाम विश्वजीत उर्फ आशीष है जिसकी ग्राम पंचायत द्वारा तस्वीक भी जारी की हुई है। इसलिए वादी राजस्व रिकार्ड में दर्ज भूमि में अपना नाम विश्वजीत उर्फ आशीष के स्थान पर आशीष दर्ज करवाकर राजस्व रिकार्ड से विश्वजीत नाम हटवाना चाहता है जिसका स्टेट द्वारा कोई विरोध नहीं किया गया है। वादी के नाम की दुरुस्ती से राज्यहित प्रभावित नहीं होते हैं। वादी का वाद स्वीकार कर डिक्री फरमाया जावे।

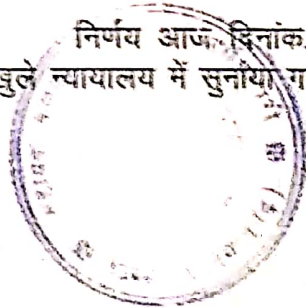
बहस सुनी गई। दस्तावेजों का गहराई से अध्ययन किया गया। राजस्व रिकार्ड में उक्त आराजी वादी के नाम से दर्ज है, जिसमें वादी का नाम विश्वजीत उर्फ आशीष नाम दर्ज है, वादी अपना सही नाम आशीष दर्ज करवाना चाहता है। वादी का वाद मात्र दुरुस्ती का है। इसलिए प्रकरण में तनकीयात कायम किये जाने की आवश्यकता नहीं है। उपरोक्त विवेचनानुसार वाद वादी स्वीकार किये जाने योग्य है।

क्रियात्मक आदेश

अतः वाद वादी स्वीकार किया जाता है कि चकनं० 6 केएसपी के खाता सं० 47,59 व खाता सं० 62 तथा चकनं० 7 केएसपी के खाता 11 में विश्वजीत उर्फ आशीष के स्थान पर पर वादी का नाम आशीष तथा चकनं० 1 एच. एन. एच के खाता सं० 59 में विश्वजीत के स्थान पर सही नाम आशीष अंकन करने तथा राजस्व रिकार्ड से विश्वजीत का नाम कलमजम किये जाने के आदेश दिये जाते हैं। उपरोक्त अनुसार ही राजस्व रिकार्ड में अंकन किया जावे।

इसी अनुसार राजस्व अभिलेख में अंकन किया जावे। उक्त आराजी पर बैंक ऋण की स्थिति रहन मुक्त होने के पश्चात् राजस्व रिकार्ड में अमल दरानद किया जावे। पत्रावली फैसलशुमार होकर बाद तरतीब तकमील दाखिल दफ्तर हो।

निर्णय आज दिनांक 3-9-19 को मेरे द्वारा लिखवाया जाकर खुले न्यायालय में सुनाया गया।



(मीनू वर्मा)
सहायक कलक्टर एवं
उपखण्ड अधिकारी, टिब्बी।